वन एवं वन्यजीव संसाधन

प्रश्न–1 विश्व में सारी जैव उपजातियों की कितनी प्रतिशत संख्या भारत में पाई जाती है–

(अ) 5 प्रतिशत (ब) 8 प्रतिशत (स) 10 प्रतिशत (द) 12 प्रतिशत (ब)

प्रश्न–2 एक अनुमान के तहत भारत में कितने प्रतिशत वन्य वनस्पतिजात के लुप्त होने का खतरा हैं–

(अ) 20 प्रतिशत (ब) 25 प्रतिशत (स) 10 प्रतिशत (द) 5 प्रतिशत (स)

प्रश्न–3 निम्न में से कोनसा एक संकट ग्रस्त जाति की श्रेणी में नहीं आता हैं–

(अ) भारतीय जंगली गधा (ब) गैंडा (स) शेर–पूँछ वाला बंदर (द) गाय (द)

प्रश्न–4 भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम कब लागु हुआ–

(अ) 1951 (ब) 1972 (स) 1965 (द) 1947 (ब)

प्रश्न–5. इनमें से कोनसी टिप्पणी प्राकृतिक वनस्पतिजात और प्राणीजात के ह्रास का सही कारण नहीं हैं–

(अ) कृषि का प्रसार (ब) पशुचारण और ईंधन लकडी एकत्रित करना

(स) वृहत स्तरीय विकास परियोजनाएँ (द) तीव्र औद्योगीकरण और शहरीकरण (ब)

प्रश्न–6. 'सरिस्का बाघ रिजर्व' राजस्थान के किस जिले में स्थित है–

(अ) अलवर (ब) कोटा (स) जयपुर (द) सवाईमाधोपुर (अ)

प्रश्न–7 'हिमालयन यव'(ल्मू) क्या है–

(अ) एक समुद्री जीव (ब) एक औषधीय पौधा

(स) एक जंगली जन्तु (द) इनमें से कोई नहीं (ब)

प्रश्न–8 वन विभाग के अनुसार वनों का प्रकार है–

(अ) आरक्षित वन (ब) रक्षित वन

(स) अवर्गीकृत वन (द) उपर्युक्त सभी (अ)

अतिलघुतरात्मक प्रश्न–

प्रश्न–1 चिपको आंदोलन किसके लिए चलाया गया ?

उतर– हिमालय क्षेत्र में वृक्षों को बचाने के लिए।

प्रश्न–2 'प्रोजेक्ट टाईगर' क्या है ?

उतर– 1973 में बाघ संरक्षण के लिए शुरु की गई परियोजना।

प्रश्न–3 किस नदी परियोजना से मध्यप्रदेश का चार लाख हेक्टेयर वन जलमग्न हो जाएगा ?

उतर– नर्मदा नदी घाटी परियोजना।

प्रश्न–4 गेंडे के संरक्षण के लिए कोनसा प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान है ?

उतर– काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, असम।

प्रश्न–5 आरक्षित, रक्षित व अवर्गीकृत वन में कोनसा एक सर्वाधिक मूल्यवान वन माना जाता है ?

उतर– आरक्षित वन।

प्रश्न–6 किस राज्य में स्थायी वनों का सर्वाधिक क्षेत्र है ?

उतर– मध्यप्रदेश।

लघूतरात्मक प्रश्न–

प्रश्न–1 भारत में बाघ संरक्षण की कोई तीन परियोजना के नाम लिखिए।

उतर– (1) पेरियार बाघ रिजर्व, केरल।

(2) मानस बाघ रिजर्व, असम।

(3) कारबेट राष्ट्रीय उद्यान, उतराखण्ड।

प्रश्न–2 जैव विविधता किसे कहते है ?

उतर– किसी प्राकृतिक प्रदेश में पाई जाने वाली जंगली तथा पालतू जीव–जन्तुओं एवं पादपों की प्रजातियों की बहुलता को जैव विविधता कहते है।

प्रश्न–3 जैव विविधता मानव जीवन के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ?

उतर– जैव विविधता हरेक जीवों के जीवन के लिए आवश्यक हैं। यह आवासीय स्थल जिस पर हम रहते हैं, अत्यधिक जैव विविधता से भरा है। इसी क्षेत्र में मानव ओर दूसरे जीवधारी एक पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण करते हैं जिसका हम मात्र एक हिस्सा है। और अपने अस्तित्व के लिए इन्हीं जीव जन्तुओं और पेड–पौधो पर आश्रित हैं, क्यों कि हवा के लिए ऑक्सीजन, भोजन के लिए अन्न, पीने के लिए जल, रहने के लिए आवास इत्यादि हम इन्हीं पेड–पौधों और जीव जन्तुओं से प्राप्त करते हैं। इसलिए जैव विविधता अन्य जीवों के लिए ही नहीं बल्कि मानव के लिए भी महत्वपूर्ण है।

प्रश्न–4 भारत में जैव विविधता को कम करने वाले कारक कौन–कौन से हैं ?

उतर– भारत में जैव विविधता को कम करने वाले कारकों में वन्यजीव के आवास का विनाश, जंगली जानवरों को मारना व आखेटन, पर्यावरणीय प्रदूषण व विषाक्तीकरण और दावानल आदि शामिल हैं।

प्रश्न–5 स्थानांतरित (झूम) खेती से आप क्या समझते है ?

उतर– स्थानांतरित खेती (झूम) एक आदिम प्रकार की कृषि है जिसमें पहले पेड–पौधो को काटकर, उन्हें जलाकर साफ की गई भूमि में पुराने उपकरणों से जगह बदल–बदल कर की जाती है। यह कृषि पूर्णतः प्रकृति पर निर्भर होती हैं और उत्पादन भी बहुत कम होता हैं।

प्रश्न–6 सुभेद्य जातियाँ क्या है ?

उतर– ये वे जातियाँ हैं जिनकी संख्या घट रही है। यदि इनकी सुरक्षा नहीं की जाएगी, और इनकी संख्या घटती रही तो यह संकटग्रस्त जातियों की श्रेणी में शामिल हो जाएगी।

प्रश्न–7 स्थानिक जातियाँ किसे कहते हैं ?

उतर– प्राकृतिक या भौगोलिक सीमाओं त्रों में पाई जाने वाली जातियों को स्थानिक जातियाँ कहते हैं। उदाहरण के लिए जैसे–अण्डमानी टील, निकोबारी कबूतर, अण्डमानी जंगली सूअर और अरूणाचल के मिथुन आदि।

प्रश्न–8 लुप्त जातियों से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– ये वे जातियाँ हैं जो इनके रहने के आवासों में खोज करने पर अनुपस्थित पाई गई हैं। ये जातियाँ स्थानीय क्षेत्र, प्रदेश, देश, महाद्वीप या पूरी पृथ्वी से ही लुप्त हो गई हैं। ऐसी जातियों में एशियाई चीता और गुलाबी सिर वाली बतख शामिल हैं।